

जब साथी हैं बालाजी | By Mukesh Bagda |

जब साथी हैं बालाजी तो डरने की क्या बात
जीवन में कर दे उजाले, करे दूर अंधेरी रात
जब साथी हैं बालाजी तो डरने की क्या बात

हो जब संकट कोई आए, तब ये ही निभाए साथ
कष्टों से मिले छुटकारा, जब सिर पर रख दे हाथ

जब दुनिया टोकर मारे और बिगड़ जाए हालात
चरणों में शरण देते हैं और करते हैं करामात

चाहे बैरी बने ज़माना, दुश्मन भी लगाले घात
बस नाम ही इनका काफ़ी, फिर उनकी क्या है बिसात

भला इनके आगे किसी की क्या होगी यहाँ औकात
बलशाली भयंकर राक्षस खाए इनके आगे मात

जो भक्त हैं इनके जग में, उनको देते सौगात
पन्ना हो गए जो इनके, उन्हें दरस मिले साक्षात

जब साथी हैं बालाजी तो डरने की क्या बात
जब साथी हैं बालाजी तो डरने की क्या बात
जीवन में कर दे उजाले, करे दूर अंधेरी रात
जब साथी हैं बालाजी तो डरने की क्या बात

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a5%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-by-mukesh-bagda/>